***SPECIAL MENTIONS —** *Contd.*

Demand to make functioning of post-mortem centre mandatory for the medical colleges

DR. VIKAS MAHATME (Maharashtra): Sir, as we are all aware, Forensic Medicine plays an important role in the verdict of several criminal cases like rape, murder, etc. This is the reason a doctor performing post mortem should be thorough in knowledge as well as skills. However, it is noticed that many of the medical colleges, especially private, are not even having the facility of performing post mortem and do not perform a single post mortem. Student passes without performing or witnessing a single post mortem. Such unskilled doctors, when required to conduct a post mortem, are unable to collect proper evidence and many culprits walk out clean from rape and murder charges. I feel this itself is a crime and it must be mandatory for the medical colleges to have a functioning post-mortem centre.

श्री उपसभापति: कृपया सदन में शांति बनाए रखें। ...(**व्यवधान**)...

Demand to increase the number of general coaches in trains

श्री कैलाश सोनी (मध्य प्रदेश): मान्यवर, संपूर्ण देश में रेलवे की किसी सवारी गाड़ी में देख लें, सामान्य वर्ग के यात्रियों को बहुत कठिनाई होती है। यात्री गाड़ियों में सामान्य डिब्बों की संख्या बहुत कम रहती है। सामान्य डिब्बों में उसकी क्षमता से दोगुने, तीन गुने तक यात्रियों को यात्रा करते हुए सभी जगह देखा जा सकता है।

महोदय, रेलवे के द्वारा सभी जगह पर बहुत तेज़ी से सुधार किए जा रहे हैं। शयनयान में भी यदि ज्यादा टिकट विक्रय होते हैं तो डिब्बों की संख्या बढ़ाई जाती है।

महोदय, जन-सामान्य की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक सवारी गाड़ी में सामान्य डिब्बों की संख्या शीघ्रातिशीघ्र बढ़ाई जाए। इसके अतिरिक्त टिकट के आधार पर सामान्य श्रेणी के यात्रियों के बैठने की व्यवस्था का दायित्व भी निर्धारित किया जाना अति आवश्यक है।

Demand to Promote Afforestation

डा. सत्यनारायण जटिया (मध्य प्रदेश): देशस्य जलवायु - अनुकूलानार्थम् प्रचुराः वृक्षाः आवश्यकाः सन्ति।

अस्माकं प्रधानमन्त्रिणा माननीयाः सांसदाः संसदीय-दल-सभायां अधिकाधिक नव-वृक्षारोपणाय, तेषां संवर्धनाय संरक्षणाय च आहूताः।

यत्र यत्र सस्यता तत्र तत्र समृद्धिः। यत्र यत्र प्रचुराः वृक्षाः तत्र तत्र वर्षापि प्रचुरा। यत्र यत्र धनं वनं तत्र तत्र सरिताः प्रवहमान्यः। जलमेव जीवनम्।

---

*Laid on the Table.